

# **Arts and Science college, Chousala, Tq.Dist. Beed.**

## **Outcomes**

### **Program Specific Outcomes of English :**

The students having BA/B.Com. English will be able to...

PSO1. Learn English language skills.

PSO2. Strengthen their ability in listening, speaking, reading and writing both at practical and theoretical level.

PSO3. Communicate with the whole world in English language.

PSO4. Enable to read works of literature and also of cultural criticism and apply them in their own context.

PSO5. Prepare for interviews.

PSO6. Secure jobs in National, Multinational companies, Call Centres and in many other sectors.

### **Course Outcomes : B. A. Compulsory English**

The students having BA/B.Com.Compulsory English will be able to...

CO1. Use grammatical properties in order to enable them to write and speak English consciously.

CO2. Be trained both in precision and in appropriate use of language through prose reading.

CO3. Be acquainted with a keen and subtle way in which the English language is used.

### **B.A. Optional English course outcomes**

#### **The Structure of English**

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Have advanced knowledge of English in matter of speaking and writing.

CO2. Have better English pronunciation.

CO3. Acquire the structure of English language. CO4. Improve word accent in English language.

#### Paper - Reading Literature

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Read and appreciate various forms of literature and critically interact with them from different perspectives.

CO2. Apply literary strategies to read literature.

CO3. Pinpoint how far literary language deviates from ordinary language.

CO4. Unravel many meanings in a literary text.

BASY Paper - Literature in English 1550 1750 and paper Literature in English 1750 to 1900

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Read and appreciate various forms of literature and critically interact with them from different perspectives.

CO2. Be acquainted with appropriate literary strategies to read literature.

CO3. Pinpoint how far literary language deviates from ordinary language .

CO4. Unravel many meanings in a literary text.

#### BATY Twentieth Century English Literature

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Know modern English literature as production of the age.

CO2. Be acquainted with T.S. Eliot's poems.

CO3. Be familiarised with G.B. Shaw's drama Pygmalion .

CO4. Understand D.H. Lawrence's fiction Sons and Lovers.

#### Paper- Introduction to Literary Criticism and terms

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Be familiarized with the literary terms and various streams in Literary Criticism and develop skills for literary evaluation

CO2. Understand how the literature of modern period relates to the important trends of the period.

CO3. Be aware of the fact that all readers are critics and their own critical thinking will be developed.

CO4. Know how texts are affected by the context.

Paper - Indian Writing in English

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Understand thematic concerns, genres and trends of Indian Writing in English.

CO2. Understand Nissim Ezekiel's poems.

CO3. Be acquainted with Vijay Tendulkar's plays and their general themes.

CO4. Understand the impact of freedom movement on Raja Rao's novel Kanthapura.

## **Programme Specific Outcomes: B. A. Hindi**

PS001:

बी. ए. हिंदी एक परंपरागत उपाधि है। हिंदी भाषा में उपाधि स्तर की पढ़ाई के बाद विद्यार्थियों के लिए रोजगार के कई अवसर प्राप्त होते हैं।

यह परंपरागत कोर्स मानवीय मूल्यों संवेदनाओं, इंसानीयत, नैतिकता, जीवन मूल्य, देशभक्ति, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, संस्कार आदि आयामों को लेकर भी विद्यार्थियों को ताकतवर बनाता है।

PSO02:

लेखक और कवियों द्वारा लिखे गए विविध विधाओं के पाठ विद्यार्थियों के स्तर, उम्र और मानसिक विकास को ध्यान में रखकर रखे जाते हैं। इन पाठों का उद्देश्य भारत का भविष्य उज्वल और तेजोमय हो ऐसी अपेक्षा होती है।

PSO03:

समाचार लेखन, रेडियो वार्ता लेखन, विज्ञापन लेखन, प्रयोजनमूलक हिंदी, संप्रेषणमूलक हिंदी, अनुवाद, मीडिया लेखन, हिंदी में कंप्यूटर का ज्ञान, अशुद्धि शोधन आदि पाठों से जुड़ा पाठ्यक्रम रोजगार तथा हिंदी भाषा की व्यावसायिक, व्यावहारिक और व्यापारिक सफलता को उजागर कर देता है।

PSO04:

बी. ए. हिंदी की उपाधि प्राप्ति के बाद कई विद्यार्थी इन कोर्सों में आगे की पढ़ाई के लिए जा चुके हैं। पत्रकारिता, अनुवाद, शिक्षा संस्थानों, उद्योग और व्यापार, बैंक आदि क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और जिम्मेदार भारतीय नागरिक होने के नाते अपना योगदान भी दे रहे हैं।

PSO05:

हिंदी साहित्य, समीक्षा, प्रादेशिक भाषा साहित्य तथा व्यावसायिक प्रयोजनमूलक हिंदी के पाठों को पढ़कर निपुण बना विद्यार्थी एम.ए. बी.एड., एम. फिल., पीएच. डी., पत्रकारिता, अनुवाद जैसे कई क्षेत्रों में अपनी पढ़ाई आगे जारी रखता है।

PSO06:

संपूर्ण पढाई के बाद उसके रोजगार के अवसर और उसमें सफल होने का प्रतिशत भी बढ़ जाता है अर्थात बी. ए. हिंदी की उपाधि पाने के बाद परिपूर्ण बना विद्यार्थी एक जिम्मेदार इंसान अपने घर-गांव और देश के लिए योगदान दे रहा है।

### **Course Outcomes:**

सामान्य हिंदी (SL 11 (बी.ए. बी. कॉम., बी. एस्सी.

Co1: मानवीय संवेदनाओं का विकास हो जाता है और इंसानीयत को बढ़ावा मिलता है।

CO2: हिंदी कहानी साहित्य का परिचय मिल जाता है।

co3: हिंदी के प्रमुख लेखक और और उनकी लेखन विशेषताओं का परिचय प्राप्त होता है।

CO4: विद्यार्थियों के भाषा कौशल का विकास होता है।

co5: विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के महत्व के साथ व्याकरणिक सजकता निर्माण होती है।

### **प्रश्नपत्र 1 उपन्यास साहित्य**

co1 विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि का विकास और साहित्य आस्वादन का आनंद देना। Co2 इंसानी जीवन मूल्यों का विकास और उनके प्रति आस्था निर्माण करना।

Co3: उपन्यास साहित्य की बारिकियों से परिचित करना और हिंदी उपन्यास साहित्य की पहचान करना।

CO4: लेखन और भाषा कौशल का विकास करना।

### **प्रश्नपत्र 2 - नाटक साहित्य**

Co1 हिंदी नाटकों और उसके बहाने साहित्य में नाट्य परंपरा, हिंदी रंगमंच, अभिनय तथा व्यावसायिक नाटकों परिचित करना।

CO2: 'विजयपर्व' नाटक से अशोक की जिंदगी का संघर्ष, युवराज से राजगद्दी और फिर राजगद्दी से निर्वाण तक के सफर का प्रयास युद्ध से शांति भली है की स्थितियों को बयां

करता है। अतः विद्यार्थियों पर संघर्ष, रक्तपात लड़ाई से शांति भली है के संस्कार हो जाता है।

CO3: 'होरी' नाटक प्रेमचंद का है। इस नाटक के अध्ययन के पश्चात् किसानों की दयनीयता, जमीन से जुड़ना, पारिवारिक संघर्ष आदि का परिचय मिला। विद्यार्थी भी पहले से किसान परिवारों से जुड़े हैं, अतः 'होरी' नाटक में चित्रित पात्र उन्होंने अपने घरों में बसे हैं ऐसा एहसास किया है। बिना पढ़ाई के क्या होता है इसका परिचय भी पाया है। अतः शिक्षा से आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा, सम्मान पाने की लालसा विद्यार्थियों में जगती है।

CO4: अलख आजादी की नाटक भारतीय स्वतंत्रता का लेखा-जोखा प्रस्तुत करता है। आज जिस देश में हम रह रहे हैं, वह कहाँ से कहाँ तक का सफर कर चुका है, इससे विद्यार्थी परिचित हो गए हैं। घर-गांव और देश के प्रति देशभक्ति के भाव विद्यार्थियों में जगाने का काम इस नाटक से होता है।

CO5: 'नाटक साहित्य' पेपर के अध्ययन के बाद विद्यार्थियों में हिंदी नाटक साहित्य की बारिकियों को पहचानने की क्षमता का विकास, संवेदनाओं का विकास, नाट्य आस्वादन और नाटकों की आलोचना करने की दृष्टि का विकास हो गया है।

### प्रश्नपत्र 3 हिंदी गद्य साहित्य

CO1: हिंदी कहानी और व्यंग्य साहित्य का अध्ययन करना। CO2 इंसानी जीवन मूल्यों और संवेदनाओं का विकास और उनके प्रति आस्था निर्माण करना।

CO3: साहित्य आस्वादन और मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।

CO4 हिंदी साहित्य की गद्य विधाओं का परिचय करवाना।

### प्रश्नपत्र 4 एकांकी साहित्य

CO1: एकांकी नाटक की तुलना में छोटी विधा है। प्रथम सत्र में नाटकों का अध्ययन और द्वितीय सत्र में एकांकी का अध्ययन है। इससे विद्यार्थियों को नाटक और एकांकी के बिच का फर्क समझ में आता है।

CO2 हिंदी एकांकी के उद्भव और विकास से विद्यार्थी परिचित होता है।

co3: एकांकी के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं का अध्ययन हो गया और जीवन में मानवीय मूल्यों से विद्यार्थी परिचित हो गए। छोटी-छोटी घटनाओं का जीवन में क्या महत्त्व है. इसका परिचय भी विद्यार्थियों को हो गया है।

CO4: एकांकी नए पुराने किताब के भीतर पांच प्रतिनिधिक एकांकियों को पढ़ाई के लिए रखा है, जिससे

ऐतिहासिक, सामाजिक और समस्यामूलक एकांकी कैसे होती है. इसका ज्ञान विद्यार्थियों को होता है।

Co5: प्रतिनिधिक महिला एकांकी हिंदी महिला एकांकीकारों की एकांकियों का प्रतिनिधित्व करती है। महिलाओं के अनुभव जगत का बयान करता यह एकांकी संग्रह महिलाओं की मुश्किलों और पीडाओं को विद्यार्थियों के सामने रखता है। अर्थात् इससे विद्यार्थी अपने घर परिवार में रह रही महिलाओं के मुश्किलों से परिचित हो गए हैं।

सामान्य हिंदी (SL III & IV) (बी.ए., बी. कॉम., बी. एस्सी.)

co1: साहित्य आस्वादन अभिरूचि का परिसंस्कार करना।

CO2 जीवन मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।

CO3 हिंदी के आधुनिक गद्य साहित्य की प्रतिनिधिक रचनाओं का परिचय करना

CO4: अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का परिचय करना।

CO5: व्यावहारिक प्रयोजनमूलक तथा संप्रेषणमूलक व्यावसायिक हिंदी भाषा से विद्यार्थी परिचित हो और रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी मांगों को पूरा करने में सक्षमता पाए यह अपेक्षा भी इस पाठ्यक्रम की रही है।

CO6: पत्रलेखन के सारे प्रकार, आवेदन पत्र, बैंकिंग तथा सरकारी कार्यालयों की प्रयोजनमूलक भाषा से विद्यार्थी परिचित होता है।

CO7: हिंदी साहित्य की कहानी, कविता, सस्मरण, रेखाचित्र, डायरी आत्मकथा, जीवनी, निबंध, यात्रावृत्त व्यंग्य रिपताज, पत्र आदि विधाओं का परिचय भी विद्यार्थी कर चुके हैं। जीवन मूल्य, भाव-भावनाओं, संवेदनाओं के परिचय के साथ आधुनिक साधनों का भाषाई प्रयोग कैसे करे इसका परिचय भी विद्यार्थी पाते हैं।

COs8: रेडियो वार्ता लेखन, समाचार लेखन, मीडिया के विविध आयाम, हिंदी भाषा की व्यावसायिक उपयोगिता, बैंकों में हिंदी, वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा का महत्व, उद्योग-व्यापार में हिंदी के सहारे कैसे आर्थिक प्रगति कर सकते हैं आदि बातों का परिचय करवाना।

प्रश्नपत्र 5 कथेत्तर गद्य साहित्य -

CO1: कथेत्तर गद्य साहित्य पेपर रखने का उद्देश्य यही है कि हिंदी के विद्यार्थी हिंदी साहित्य के कथेत्तर विधाओं से परिचित हो।

CO2: गद्य गौरव और गद्य प्रभा किताब के माध्यम से विद्यार्थी रेखाचित्र, निबंध, संस्मरण, जीवनीपरख लेख, व्यंग्य, आत्मकथा अश यात्रा वृतांत लेख आदि विधाओं से भलीभांति परिचित हो।

CO3: साहित्य के विविध विधाओं के आस्वादन का आनंद लेने की आदत और अभिरुचि विकास भी विद्यार्थियों में करना।

CO4: हिंदी कथेत्तर गद्य संवेदना की परंपरा का परिचय करना। COs: जीवन मूल्यों के प्रति आस्था पैदा करना।

प्रश्नपत्र 6 प्रयोजनमूलक हिंदी 1 -

CO1: हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक रूप का परिचय करना।

CO2 हिंदी भाषा की व्यावहारिकता पर प्रकाश डालना।

CO3: भारत देश की राष्ट्रभाषा होने के नाते हिंदी भाषा की एहमीयत का मूल्यांकन करना।

CO4 हिंदी के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप का मूल्यांकन करना।

COs: आधुनिक तंत्र विज्ञान में हिंदी की उपयोगिता पर आकलन करना।

प्रश्नपत्र 7 आधुनिक हिंदी कविता



CO1: हिंदी साहित्य के पद्य (कविता) के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालना, हिंदी कविता के प्रति विद्यार्थियों की अभिरुचि की वृद्धि करना, मानवीय भाव-भावनाएं और संवेदनाओं का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य

CO2: नागार्जुन द्वारा लिखित खंडकाव्य 'भूमिजा रामायण के कथा प्रसंग पर प्रकाश डालता है सीता का ऐतिहासिक मूल्यांकन करते हुए एक नारी के नाते उसकी कौनसी शिकायतें राजा, पति, पुरुष और राज्य के प्रति रही है। इसका संवा मूल्यांकन करना अर्थात् नारी जीवन के संघर्ष और विद्रोह का परिचय इस सडकाव्य का उद्देश्य है।

CO3: विद्यार्थी रामायण रामचरितमानस तथा अन्य रामायण कथा पर केंद्रित रचनाओं से एक अलग रचना से परिचित हो गए हैं, जिसमें सीता का एक स्त्री होने के नाते पुरुषों के प्रति विद्रोह है इसका परिचय करवाना।

CO4: रेडियो वार्ता लेखन, समाचार लेखन, मीडिया के विविध आयाम, हिंदी भाषा की व्यावसायिक उपयोगिता, बैंकों में हिंदी, वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा का महत्व, उद्योग-व्यापार में हिंदी के सहारे कैसे आर्थिक प्रगति कर सकते हैं आदि बातों का परिचय करवाना।

प्रश्नपत्र 5 कथेत्तर गद्य साहित्य -

CO1: कथेत्तर गद्य साहित्य पेपर रखने का उद्देश्य यही है कि हिंदी के विद्यार्थी हिंदी साहित्य के कथेत्तर विधाओं से परिचित हो।

CO2: गद्य गौरव और गद्य प्रभा किताब के माध्यम से विद्यार्थी रेखाचित्र, निबंध, संस्मरण, जीवनीपरख लेख, व्यंग्य, आत्मकथा अश यात्रा वृतांत लेख आदि विधाओं से भलीभांति परिचित हो।

CO3: साहित्य के विविध विधाओं के आस्वादन का आनंद लेने की आदत और अभिरुचि विकास भी विद्यार्थियों में करना।

CO4: हिंदी कथेत्तर गद्य संवेदना की परंपरा का परिचय करना।

CO5: जीवन मूल्यों के प्रति आस्था पैदा करना।

## प्रश्नपत्र 6 प्रयोजनमूलक हिंदी 1 -

CO 1: हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक रूप का परिचय करना।

CO2 हिंदी भाषा की व्यावहारिकता पर प्रकाश डालना।

CO3: भारत देश की राष्ट्रभाषा होने के नाते हिंदी भाषा की एहमीयत का मूल्यांकन करना।

CO4 हिंदी के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप का मूल्यांकन करना।

CO5: आधुनिक तंत्र विज्ञान में हिंदी की उपयोगिता पर आकलन करना।

## प्रश्नपत्र 7 आधुनिक हिंदी कविता

CO 1: हिंदी साहित्य के पद्य (कविता) के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालना, हिंदी कविता के प्रति विद्यार्थियों की अभिरुचि की वृद्धि करना, मानवीय भाव-भावनाएं और संवेदनाओं का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य

CO2: नागार्जुन द्वारा लिखित खंडकाव्य 'भूमिजा रामायण के कथा प्रसंग पर प्रकाश डालता है सीता का ऐतिहासिक मूल्यांकन करते हुए एक नारी के नाते उसकी कौनसी शिकायतें राजा, पति, पुरुष और राज्य के प्रति रही हैं। इसका संवा मूल्यांकन करना अर्थात् नारी जीवन के संघर्ष और विद्रोह का परिचय इस सडकाव्य का उद्देश्य है।

CO 3: विद्यार्थी रामायण रामचरितमानस तथा अन्य रामायण कथा पर केंद्रित रचनाओं से एक अलग रचना से परिचित हो गए हैं, जिसमें सीता का एक स्त्री होने के नाते पुरुषों के प्रति विद्रोह है इसका परिचय करवाना।

CO4: 'चुनी हुई लंबी कविताएं पढाई हेतु रखी हैं। कविता और खंडकाव्य के बिच का साहित्यिक पद्य रूप के नाते लंबी कविताओं को जाना जाता है। इन कविताओं के माध्यम से विद्यार्थी विविध भाव, रस से परिचित हो गए हैं। साथ ही आधुनिक जीवन की परेशानियों, भ्रमभंग, बाजारीकरण, अर्थसत्ता का ताकतवर होना, शब्दों की एहमीयत आदि बातों का परिचित करवाना।

## प्रश्नपत्र 8 प्रयोजनमूलक हिंदी 2

Co1: हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय करना

CO 2: राजभाषा हिंदी के विविध रूपों का परिचय करना।

CO3: प्रयोजनमूलक भाषा तथा अनुवाद की भूमिका का परिचय करना ।

CO4: हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक और व्यावहारिक रूप का परिचय करना।

CO5: भारत देश की राष्ट्रभाषा होने के नाते हिंदी भाषा की एहमीयत का मूल्यांकन करना।

CO6: हिंदी के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप का मूल्यांकन करना।

CO7: आधुनिक तंत्र विज्ञान में हिंदी की उपयोगिता पर आकलन करना।

प्रश्नपत्र 9 प्रादेशिक साहित्य

Co1: साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिष्कार करना।

CO2 जीवन मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।

CO3: प्रादेशिक भाषा के साहित्य से परिचय करवाना।

CO4: भारतीय साहित्य का अध्ययन करना।

प्रश्नपत्र 10 आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

Co1: हिंदी साहित्य के इतिहास तथा आरंभिक काल का परिचय करना।

CO2 हिंदी साहित्य के लेखन स्रोतों एवं परंपराओं पर प्रकाश डालना।

CO 3 हिंदी साहित्य आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल का परिचय देना।

CO4: साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिष्कार करना।

CO5: जीवन मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।

प्रश्नपत्र 11 साहित्यशास्त्र

Co1: साहित्य चिंतन परंपरा का अध्ययन करना।

Co2: साहित्यालोचन क्षमता का परिचय करना।

CO 3: साहित्य सृजन के संस्कार करना।

CO4: साहित्य एक प्रकार से शास्त्र है, उसका पढ़ना, चिंतन, आकलन, मूल्यांकन और सृजन करना एक प्रकार की शास्त्रीय तकनीक है। इसी तकनीक का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

CO 5: साहित्य का स्वरूप, तत्त्व, प्रयोजन, हेतु, शब्दशक्तियां, रस, अलंकार, छंद, विविध विधाओं का स्वरूप, आलोचना

आदि अंगों का परिचय विद्यार्थियों को करवाना।

CO6: साहित्य और हिंदी भाषा के विद्यार्थी होने के नाते एक परिपूर्ण इंसान बनने और मानवीय जीवन का आकलन, बोध और मूल्यांकन करने की क्षमता का विकास हो यह इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, अर्थात साहित्यशास्त्र इस पाठ्यक्रम की पढ़ाई के बाद यह दृष्टि विद्यार्थियों लाना।

CO7: साहित्य का मूल्यांकन करने का नजरिया भी विकसित करना साहित्य के कलापक्षीय अंगों पर प्रकाश डालने की दृष्टि का विकास करना।

प्रश्नपत्र 12 व 16 प्रकल्प कार्य

Co1: पठन-पाठन और लेखन कौशलों का विकास करना।

CO2: आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना।

CO3: अनुसंधात्मक दृष्टि का विकास करना।

CO4: प्रकल्प प्रस्तुति का तकनीक से परिचित करना।

प्रश्नपत्र 13 मध्यकालीन काव्य

Co1: भारतीय भक्ति आंदोलन का अध्ययन करना।

CO2: रीतिकालीन संवेदनाओं का अध्ययन करना।

CO3: कविताओं के माध्यम से मध्यकालीन सांस्कृतिक संवेदना का अध्ययन करना।

CO4 भक्ति तथा रीतिकालीन पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को परिचित करना।

CO 5: साहित्य का चिंतन, आकलन और मूल्यांकन करना एक प्रकार की शास्त्रीय तकनीक है। इसी तकनीक का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र 14 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

CO1 हिंदी साहित्य के आधुनिक काल का परिचय करना।

CO2 हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालना।

CO3 हिंदी साहित्य के आधुनिक काल में कविता और गद्य लेखन के विविध प्रकारों का आकलन और मूल्यांकन।

प्रश्नपत्र 15- साहित्यशास्त्र

CO1: साहित्य चिंतन परंपरा का अध्ययन करना।

CO 2: साहित्यालोचन क्षमता का परिचय करना।

CO3: साहित्य सृजन के संस्कार करना।

CO4: साहित्य के रस, अलंकार, छंद, विविध विधाओं का स्वरूप, आलोचना आदि अंगों का परिचय विद्यार्थियों को करवाना।

CO5: साहित्य की विविध विधाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाकर उसका तात्विक अध्ययन करना।

CO6: साहित्य का मूल्यांकन करने का नजरिया भी विकसित करना साहित्य के कलापक्षीय अंगों पर प्रकाश डालने की दृष्टि का विकास करना।

CO 7: विद्यार्थियों में साहित्यालोचन की दृष्टि को विकसित करना।

## **Marathi Outcomes**

### **B. A. I Pap.I&II (S.L.) Prose-Verse and Applied Marathi**

Students having this course at the time of graduation will be able to...

- 1) Have the knowledge of daily use of Marathi language and its application.
- 2) Develop Linguistic skills of Marathi language .
- 3) Develop an interest in Marathi language.
- 4) Have the formal knowledge of Marathi language on administrative level and the practical level.
- 5) Have employment opportunities in various fields related with Marathi language.

### **B.A. I (Optional Marathi) paper. I (Poetic Literature)**

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Develop a passion for Marathi poetry composition.
- 2) Be aware with the formal knowledge of the language.
- 3) Be acquainted with the awareness created by the poems of modern poets. 4) Get inspiration .

### **Pap.II (Dramatic Literature )**

- 1) Be acquainted with Marathi dramatic tradition.
- 2) Have the knowledge of the problems prevailing in the society .
- 3) Develop the interest for the eradication of bad practices like dowry, superstitions, etc.

### **paper. III Narrative Literature**

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Have the knowledge of narrative literature.
- 2) Gain the knowledge of Marathi story literature.
- 3) Know the art of Marathi storytelling.
- 4) Create interest in Marathi stories and connect it to real life.

## Writing Skills for Print Media

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Know the nature and information regarding print media.
- 2) Be able to write news in Marathi.
- 3) Know the nature of interview and to write headlines.
- 4) Be acquainted with the importance of print media in today's world.

## B. A. II Prose-Poetry & Applied Marathi

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Get the knowledge of daily use of Marathi language and its application.
- 2) Develop Linguistic skills of Marathi language .
- 3) Develop an interest in Marathi language.
- 4) Have the formal knowledge of Marathi language on administrative level and the practical level.
- 5) Have employment opportunities in various fields related with Marathi language.

S.Y. B.A. Marathi Paper (Opt.) History of Modern Marathi literature (1800 – 1920)

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Study Modern Marathi literary history .
2. Understand contemporary social, cultural background, social movement and ideology of Marathi literature during 1800 - 1920 .
3. Know the Background of authors & their literary work of the then period.
4. Study translated literature & various types of literature like story, poetry, novel, biography, autobiography, etc. of the period.

S.Y.B.A, Marathi Paper Paper VI, VIII (Writing skill for audio-visual media)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have an introduction to the function and structure of radio and television language.

2. Become anchors for radio.

3. Have various ideas for production of different programs on radio.

4. Know various websites and webpages for media purposes.

S.Y.B.A. Marathi Paper VII (Opt.) History of Modern Marathi literature. (1800 – 1920)

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Be acquainted with emergence culture, tradition and development of Marathi theatre.

2. Know the contribution of the Father of Musical play (sangit natak) Annasaheb Kirloskar to Marathi literature.

3. Study translated literature & other various types of literature like periodic literature, story, poetry, novel, biography, autobiography, etc.

4. Understand the contribution of Keshavasut (Father of modern Marathi poetry) and his contemporaries.

B.A. III Pap. IX Indian Literary Thought

Students having this course at the time of graduation will be able to

1) Realise the concept of literature realized.

2) Get acquainted with the Indian literary thought.

3) Know what Marathi literature is about.

4) Get knowledge of the purpose of literature, the creation of literature and its process.

5) Understand the basic human tendencies like affection, anger and pleasure, etc. embedded in Marathi literature.

Pap. X Linguistics : Grammar and Essay

Students having this course at the time of graduation will be able to

1) Understand the structural patterns of sounds in Marathi language.

2) Get information about the history and the development of Marathi language and its spoken forms.



3) Get knowledge of the movement of various sense organs for the formation of Marathi sounds.

4) Get knowledge of grammar of Marathi language.

5) Understand the nature, form and the characteristics of the essay in Marathi .

6) Get clear ideas about the production of vowels, consonants and their pronunciation in Marathi language.

Pap. XI, XV History of Medieval Marathi Literature

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1) Get information about the then culture and social structure.

2) Acquire the knowledge of Mahanubhav Sect and its contribution to Marathi literature.

3) Get acquainted with the contribution of Aadyakawi Mukundraj for literature and the society.

4) Study the contribution of Warkari Sampradaya (Warkari sect) and its literary contribution.

5) Understand Panditi literature and it's inspiration, speciality and structure.

6) Understand the contribution of Shahiri literature, its inspiration ,structure and speciality.

: Pap.XII & XVI Project Work

Students having this course at the time of graduation will be able to

1) Develop their aptitude for research work.

2) Get encouraged for research work.

3) Become acquainted with the methodology of the research.

4) Get the experience of the research work.

5) Develop analytical skill and creative thinking required for the research work.

## **DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION AND SPORTS**

Programme Specific Outcomes The students having Physical Education and Sports will be able to...

PSO 1) Get an opportunity to make career in sports at National and at International level.

PSO 2 )Understand the importance of games for being healthy citizens.

PSO 3) Develop leadership by participating in various games.

PSO 4) Have a scope in Government services.

PSO 5 )Acquire the positive values, attitudes and a good foundation for their lifelong and life-wide learning through physical education.

PSO 6) Develop physical fitness.

PSO 7) Prepare themselves for competitive games.

PSO 8 ) Understand rules and regulations and the fundamental skills of the games.

PSO 9 ) Learn how psychology helps them to face challenges in sports and in life.

Course outcomes B.A.IstYear (Semester-I&II):- Paper - Philosophical, Sociological Foundation & History of Physical Education (Phy.Edu.-101):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Have an introduction to the theoretical concept of philosophical and sociological foundation of Physical education.

2. Acquire knowledge regarding the fundamentals of sociological foundation .

3. Know the history of physical education.

Paper -Principle & Recent development of Physical Education (Phy.Edu.-102):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Develop their physical competence.

2. Acquire the knowledge of safe movement.

3. Know the principle and recent development of physical education.

4. Acquire the positive values, attitudes and a good foundation for their lifelong and life-wide learning in physical education.

Paper -Practical in Physical Education (Phy.Edu.-103):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Prepare themselves for competitive games.
2. Develop their game skills & abilities.
3. Increase their stamina.

B.A.IIndYear (Semester-III&IV):- Paper -Health Education & Recreation in Physical Education and Sports (Phy.Edu.- 201):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Become aware about their own health.
2. Acquire knowledge about the Health Education and recreation in Physical Education and sports.
3. Develop their personality.
4. Develop their socialization through recreation in physical education.

Paper - Officiating, Coaching & Training Methods in Physical Education and Sports (Phy.Edu.-202): Students having this course at the time of graduation will be able to...

- 1.Acquire knowledge of officiating, coaching & training methods.
2. Know the various training methods of fitness.
3. Know the importance of officiating in physical education and sports.
4. Study fundamental and advanced skills of Indian games.

Paper -Practical in Physical Education (Phy.Edu.-203):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Prepare themselves for competitive games.
2. Develop their game skills & abilities.
3. Understand track and field events.

4. Understand rules and regulations and the fundamental skills of the games.

B.A.IIIrdYear (Semester-V&VI):- Paper -Ancient & Modern History of Physical Education and Sports (Phy.Edu.-301):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Know the ancient and modern history of physical education and sports.
2. Create the interest in Ancient & Modern History in Physical Education and Sports.

Paper -Sports Psychology & Management in Physical Education and Sports (Phy.Edu.- 302):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Know the basic principles of psychology in physical education.
2. Learn how psychology helps them to face challenges in sports.
3. Learn how to manage issues like stress, health problems, personal relationships, communication and self-esteem.

Paper - Organization, Administration & Supervision in Physical Education and Sports Youth Welfare and Youth Services (Phy.Edu.-303):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Acquire the knowledge of organization and administration in physical education.
2. Use this knowledge in sports competition.
3. Understand the importance of supervision in Physical Education and sports.

Paper - Anatomy, Physiology and kinesiology of Physical Education(Main) (Phy.Edu.- 304):

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Understand anatomy, physiology and kinesiology of physical education.
2. Understand the effects of anatomy, physiology and kinesiology in physical education.

3. Understand how anatomy, physiology help to understand how the human body responds to physical activity.
4. Understand the working of all the systems of human body and their mutual relationship.

#### Paper -Practical in Physical Education

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Prepare themselves for various competition of games.
2. Develop game skill & abilities.
3. Cultivate interest in physical education and sports.
4. Develop fitness and Co-ordination of body.
5. Create improvement in their physical and mental abilities.

## **DEPARTMENT OF HOME SCIENCE**

Programme Specific Outcomes of B.A. Home Science

The students having BA, Home Science will be able to...

PSO 1) Acquire knowledge about Family Resource management.

PSO 2) Understand the nutritional quality of food and nutrition.

PSO 3) Understand the role of dietician which can be helpful for modifying the normal diet for therapeutic purpose.

PSO 4) Understand the importance of Prenatal Development and early Childhood Development.

PSO 5) Be familiar with the nature of developmental pattern in adulthood & old age.

PSO 6) Understand the technical skills in clothing construction.

PSO 7) Be encouraged about undertaking entrepreneurship in Home science.

PSOs 8) Gain knowledge regarding textile and clothing.

PSO 9) Understand the process of communication in development work.

PSO 10) Be aware about the areas of adjustments in marriage and family.

PSO 11) Know the essentials of Interior decoration.

Course Outcomes of Home Science Paper I -Family Resource Management

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1) Understand the family resources.

2) Acquire knowledge about, the management process.

3) Develop the ability to improve the work within less time & fatigue.

4) Understand the ability how to make household budget to each income group.

Paper II- Foods & Nutrition

Students having this course at the time of graduation will be able to acquire knowledge in the following fields...

1) Role of food and functions of nutrients.

2) Different sources and deficiencies of nutrients.

3) The nutritional quality of food and nutrition.

Paper- III- Human Development (Prenatal Development and early Childhood Development)

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Study the meaning & scope of Human Development.
2. Understand the importance of Prenatal development.
3. Know the adjustmental problems of infancy.

Paper IV - Textiles and clothing (Clothing Construction) :

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Make proper choice of fabrics.
2. Gain knowledge regarding textile and clothing.
3. Impart creative and technical skills in clothing construction.
4. Develop skills in embroidery.
5. Get encouragement for entrepreneurship.

Basic Paper -Extension Education

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Understand the meaning, importance and need of Home science Extension Education.
2. Impart knowledge of extension Education.
3. Understand the process of communication in development work.
4. Get acquainted with the terms in extension approaches and models.

VIII- Textiles and clothing (Garment Designing and Painting)

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Impart knowledge about the basic principles of design and painting.
2. Know about important aspects of clothing.

3. Gain knowledge about wardrobe planning.
4. Impart knowledge regarding selection of clothe for different age group, texture and fabric.

#### IX-Development (Late Childhood and Adolescent)

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Appreciate the sequential stages of development during late childhood.
2. Understand the behavioral problems during Late childhood.
3. Be aware regarding the need and skills to be developed for self improvement.
4. Know the development and behaviors during adolescence.

#### Paper XI- Food and Nutrition

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Gain acquaintance with human gastro intestinal tract.
2. Understand the concept of an adequate diet and importance of meal planning.
3. Know the different methods of food preservation.
4. Be aware of the effect of food poisoning and food adulteration.
5. Gain the knowledge about the nutrient needs for various age groups.

#### Paper IX- Marriage and Family Dynamics.

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Understand the merits & demerits of marriage and family system
2. Be aware about the areas of adjustments in marriage and family.
3. Share knowledge about the laws related to women, marriage and family.
4. Develop awareness about counseling.

#### Paper X-Housing and Interior Decoration

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Recognize the role of housing in integrated development.
2. Know the essentials of Interior decoration.



3. Study the landscape designing and its application.

Paper XI - Nutritional Management in Health and Diseases.

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Know the principles of diet therapy.
2. Understand the role of dietician.
3. Understand the modifications of normal diet for therapeutic purpose.

## **Program Specific outcomes of History**

Students having this Specific Programme at the time of graduation will be able to...

1. Understand the history of various cultures, religious and regions.
2. Highlight the importance of past in exploration of present context.
3. Develop the ability to recognize the diversity of human experience, including ethnicity, race, language and gender.
4. Acquire the knowledge of the Socio ,–economic, cultural and political background of many centuries.
5. Understand the history of Indian National movement.
6. Develop an aptitude for historical analysis of documents .
7. Develop the ability to think critically and historically.
8. Highlight the importance of past in exploration of present context. Course outcomes

Paper title: Shivaji and His Times (1630-1818)

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Introduce innovative study techniques in the study of History of Maratha
2. Understand the secularism of the Maratha ruler .
3. Introduce International elements in the study of Marathas to facilitate comparative analysis of this history.
4. Highlight the importance of past in exploration of present context.
5. Understand the Socio –economic, cultural and political background of 17th century Maharashtra.

Paper title: History of Modern Maharashtra (1818-1960)

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Have an introduction to the study of Maharashtra.
2. Be acquainted with the basic understanding of how Maharashtra has grown to the present position .

3. Develop comprehensive understanding of interdisciplinary issues of the society.

Paper title: History of Early India (up to B.C. 300)

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Know ancient Indian history .
2. Understand various cultures and religions prevailing in India since ancient times.
3. Increase the spirit of healthy nationalism & secularism.
4. Understand the past and the obstacles that impede India's progress as a nation.

History of Mughal India (A.D. 1526- A.D. 1757)

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Be acquainted with the history of Mughal India.
2. Understand Mughal contribution of unique architecture in the form of monuments including the Taj Mahal.
3. Know how and why the Muslim Mughal Dynasty built splendid palaces, tombs, minars and forts.
4. Know the policies and administration of the Mughal Empire.

Paper title: Historiography

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Study the development of history as a special discipline.
2. Study the writing of historical accounts.
3. Indicate the importance of thinking "historiographically" as well as historically.

Paper - History of Indian national Movement (A.D. 1885- A.D. 1947)

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Understand the history of Indian National movement.
2. Have a comprehensive understanding of the transformations in the economy of colonial India.
3. An introduction of land and agrarian policies under the British rule.

4. Be acquainted with the endeavors for reconstruct of India.
5. Develop the attitude of nationalism.
6. Understand British economic policies and Indian

## **Political Science B.A. I**

Paper I Fundamentals of Political Science: -

The students having Fundamentals of Political Science will be able to...

- Co1) Have an awareness of politics.
- Co2) Understand the concept of ideal citizenship.
- Co3) Create to an awareness about democracy.
- Co4) Understand the concept of welfare state.

B.A. I Paper II Government and Politics of Maharashtra: -

The students having government and politics of maharashtra will be able to...

- Co1) Obtain the Information about the Government of Maharashtra.
- Co2) Know the functions and role of the Chief Minister.
- Co3) Have the information about the Governor's role.
- Co4) Have the knowledge of the justice system in Maharashtra.
- Co5) Acquire the knowledge of party system in Maharashtra.

B.A II Indian Government and Politics: -

The students having Indian Government and Politics will be able to...

- Co1) Understand the system of governance in India.
- Co2) Understand the role of the President.
- Co3) Have the knowledge of Indian democracy.
- Co4) Understand the nature and structure of the Indian justice system.

B.A II International Relations: -

The students having International Relations will be able to...

- Co1) Study international politics.
- Co2) Have the knowledge of India's foreign policy.
- Co3) Know the history of the separatist movement.

B.A III Indian Political Thought: - The students having Indian Political Thought will be able to...

Co1) Know the ideas of Indian political thinkers.

Co2) Exchange views on Indian diplomatic thinkers.

Co3) Understand the importance of political thinkers' ideas in modern times.

B.A III Western political ideology: -

The students having western political ideology will be able to...

Co1) Understand Western political ideology.

Co2) Review the social enlightenment brought by Western thinkers.

Co3) Know the idea of an ideal state introduced by Western thinkers.

Co4) Understand how the then ideas fit into the present.

B.A III Political Thought: -

The students having political thought will be able to...

Co1) Understand the concept of political thinking.

Co2) Study liberal ideology.

Co3) Gain the knowledge of the system of political thought.

Co4) Identify Marxist thinking.

Co5) Understand neo-Marxist thinking.

B.A III Research Project:-

The students having research project will be able to...

Co1) Develop an interest in research.

Co2) Understand the methodology of research.

Co3) Undertake research on important topics and find solutions.

## **Sociology course outcomes**

### Paper first Introduction to Sociology

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Get acquainted with the knowledge of sociology.
2. Understand the concept of the creation and the development of sociology.
3. Develop sociological aptitude.

### Paper second Individual and Society

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Study the means of Sociology.
2. Get stimulated for the study of sociological point of view.
3. Become aware to preserve and foster Indian culture.

### BA 2nd year Paper V Problems of Rural India

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Study rural development.
2. Become aware that India is agriculture oriented country.
3. Know various problems of rural area.

### paper 6 - Urban Contemporary Issues

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Understand very well the process of urbanization.
2. become aware with the consequences of the increase in population.
3. Know urban problems.

### Sociology BA ty paper 9th Sociological Traditions

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Gain the knowledge of sociological thinking.
2. Get acquainted with sociological thinkers.

3. Know various theories of Sociology.

Paper 10th Introduction to Research Methodology

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Develop an aptitude for research.
2. Have the awareness for innovation.
3. Develop analytical skills.

Paper 11 Urban Society in India

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Gain the knowledge of Indian urban society.
2. Become aware with Indian social problems.
3. Have the knowledge of Indian modernization process.



## **Department of Economics**

After studying Economics at U.G. level students will be able to ...

PSO1 – Have the basic knowledge of various Components of Economy.

PSO2 - Understand the relationship between employment and development.

PSO3 - Understand the difference between rural & urban unemployment.

PSO4- Have the knowledge of the Composition of Industrial sector of India.

PSO5 - Be acquainted with the Economic policies of Koutilya, his concept of welfare state and principle of taxation.

PSO6 - Have the knowledge of Maharashtra co-operative movement 1904 and the evolution of Co- operative Movement of Maharashtra.

PSO7- Analyze Micro Economic policies including fiscal and monetary policies of India.

PSO8- Determine Economic variables including inflation, unemployment poverty, GDP, Balance of payments using statistical methods etc.

PSO9- Have the knowledge of Index number, value of money and its measurement, and various concepts.

PSO10- Understand the Economic development growth, sources of public finance, Direct and Indirect Tax, etc.

PSO11- Understand the behavior of Indian and World economy.

Paper title: Micro Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the economic behaviour and foundation of Economics.
2. Understand the behavior of an economic agents specifically consumer, producer, seller and factors of production.
3. Take proper decisions while establishing business.

Paper: Indian Economy

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1 Be aware about the situation of economy to be the successful entrepreneur.

2. Have an awareness about the facts of the strong and weak economy.
3. Be successful in competitive exams because of the knowledge of economy.

#### Paper- Price Theory

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have the knowledge of types of markets and price determination.
2. Determine the price of product which will be produced in the future.

#### Paper- Money, Banking and Finance

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the monetary and banking system of the country.
2. Gain the knowledge which is beneficial to be successful as entrepreneurs.
3. Have the knowledge of the monetary institutions.

#### Paper-Macro Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Understand what Macroeconomics is.
2. Have the knowledge of community Economic behaviour in certain economic situations.
3. Gain the knowledge of Government and Institutions' policies related with economics.

#### Paper- Economics of Development

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the Economics of development.
2. Have the knowledge about development theories and success history of development.

#### Paper- Public Finance

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Be acquainted with Public finance.

2. Have knowledge of the fiscal policy and public revenues .
3. Have the knowledge of public expenditure, tax system ,etc.
4. Get support to take decisions of business to get benefit from government policies.

Paper: Statistical Method

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Understand statistical methods.
2. Have the knowledge of data and use of statistical tools.
3. Get job in department of statistics, NSSO, CSO, Banks and National-International research institutes.

Paper: International Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Have the knowledge of international Economics.
2. Study various trends of international Economics.
3. Have the knowledge of global policies of international trade.

Paper: Agricultural Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Acquire the knowledge of agricultural economics.
2. Know the importance of agriculture sector in Indian Economy.
3. Undertake farming as business and make business policies according to the situation.

Paper- History of Economic Thoughts

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Be acquainted with the history of economic thoughts.
2. Be an economist by studying the history of economic thoughts.
3. Develop the skill to develop new economic theory.

Paper-: Research Methodology

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Develop research aptitude.
2. Be acquainted with various methodologies of research.
3. Be inspired for undertaking research.

Paper-: Industrial Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to...

1. Be acquainted with industrial economics.
2. Understand the structure of the economy and progress of industrialization.
3. Be aware with the scope of industrial establishment and may try hands in establishing industrial business.

Paper-: Indian Economic Thinkers

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

1. Understand the tradition of Indian economic thinkers.
2. Research and work on Indian economic thinkers.
3. Have the knowledge of various trends of Indian economy.

## **Programme Specific Outcomes for Geography**

Students having this Specific Programme at the time of graduation will be able to...

1. Read, interpret, and generate maps and other geographic representations .
2. Analyze, extract, and present information from a spatial perspective.
3. Have a general understanding of physical geographic processes, the global distribution of landforms and ecosystems.
4. Know the role of the physical environment on human populations.
5. Have a general understanding of global human population patterns and the factors influencing the distribution and mobility of human populations.
6. Have a general understanding of the various theoretical and methodological approaches in both physical and human geography
7. Develop research questions and critically analyze both qualitative and quantitative data to answer those questions.
8. Understand global and regional patterns of cultural, political and economic institutions, and their effects on the preservation, use and exploitation of natural resources and landscapes.
9. Develop an understanding of the concepts of place ,region and space.
10. Understand general demographic principles and their patterns on regional and global scales.
11. Locate on a map major physical features, cultural regions, and individual states and urban centers.
12. Understand the key concepts in physical geography .
13. Understand the influence of climate, geology, and human activities in shaping the earth surface.
14. Use the scientific methods to assess environmental problems.

Course outcomes of Geography

Paper title :Elements of Physical Geography

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

- 1) Understand natural Geography.
- 2) Know various branches of natural Geography.
- 3) Learn the nature and extent of natural Geography.
- 4) Know the structure of the earth's interior through natural Geography.
- 5) Learn about the various forms of earthquakes and volcanoes.

### Human Geography

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

- 1) Know the nature and scope of human geography and various branches of human Geography.
- 2) Understand the interrelationship between human and nature.
- 3) Know the life of human groups residing in different parts of the world.
- 4) Understand the differences between human populations and their types.

### Geography of Landforms

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

- 1) Get an idea of the landforms, their types and the erosion cycle.
- 2) Become aware of the various processes of fissures in nature.
- 3) Learn about erosion, accumulation. 4
- 4) Know about convection of river glaciers, winds, and ocean waves that work on land.
- 5) Study the applied geophysics between human habitable, land use and mineral resources.

### Climatology

Students having this course at the time of graduation will be able to...

- 1) Acquire the knowledge of climatology.
- 2) Understand the importance nature and the scope of Climatology.
- 3) Gain the knowledge of solar energy and heat and it's unequal distribution and also the factors responsible for it.

4) Get the knowledge of the environmental pressure ,evaporation and the types of monsoon.

### Population Geography

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

- 1) Understand the nature, scope and the necessary information regarding population Geography.
- 2) Acquire the knowledge of population distribution, density of population, mortality, increase in population , etc.
- 3) Get information regarding the structure of regional and global population.
- 4) Gain the knowledge of migration of population, the reasons of migration and its effects.

### Oceanography

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

- 1) Understand the knowledge of Oceanography and the structure of Oceanography.
- 2) Acquire the knowledge of the structure of the death of Oceanography.
- 3) Get the knowledge regarding the various oceans of the world.
- 4) Get the knowledge of minrality and temperature of the ocean and the factors affecting it.

### Settlement Geography

Students having this course at the time of graduation will be able to...

- 1) Acquire the information related with urban and rural settlement geography.
- 2) Be acquainted with the location of settlement and the factors affecting it.
- 3) Know various types of settlement and their functions.
- 4) Understand various structures of settlements ,their sizes and other features.
- 5) Know the human settlements and their types in India.

### Regional Geography of Maharashtra

Students having this course at the time of graduation will be able to...

- 1) Understand the natural location, extent, size and natural divisions of the state.
- 2) learn about climate, soil and natural resources in Maharashtra.
- 3) Know about the distribution of various crops in Maharashtra
- 4) Learn about the industries based on various crops that are taken in Maharashtra.

#### Physical Geography of India

Students having this course at the time of graduation will be able to ...

- 1) Understand the Physical Geography of India
- 2) Be aware with the natural diversity, size and unity of physical Geography of India.
- 3) Get information about rivers in India, their importance and about weather and monsoon.
- 4) Get the knowledge of plant types and its distribution in India.

#### Geography of Environment

Students having this course at the time of graduation will be able to...

- 1) Understand the nature,scope, importance and types of environment.
- 2) Get knowledge about Ecosystem and it's Structure.
- 3) Understand Nutrient Cycles, Food Chain and types of Ecosystems.
- 4) Learn about environmental issues, global warming, etc.

#### Industrial Geography of Maharashtra

Students having this course at the time of graduation will be able to...

- 1) Understand the Industrial Geography of Maharashtra.
- 2) Know the nature and scope industrial geography of Maharashtra.
- 3) Know the industrial progress of Maharashtra.
- 3) Know how industries in Maharashtra affect the economic progress of Maharashtra.
- 4) Learn about the impact of globalization on the industrial sector of Maharashtra.



## Geography of Resources

Students having this course at the time of graduation will be able to...

- 1) Understand the nature, scope and importance of geography of resources
- 2) Gain knowledge regarding distribution of naturally available resources.
- 3) Know about animal husbandry, fishing, crops and minerals.
- 4) Learn about the distribution and use of water, minerals and energy tools.

## **B.Sc. (PHYSICS) Program specific outcomes**

Students having this course at the time of graduation will be able to...

PSO.1 Provide a systematic understanding of physical concept, principles & theories along with their applications.

PSO.2 Understanding the knowledge of classical mechanics it's principles & apply these to the solution of complex problems.

PSO.3 Detailed study of nonconventional energy sources which produce awareness among students related to energy.

PSO.4 Demonstrate engagement with current research in optical fiber, fiber cable & fabrication techniques.

PSO.5 Students will successfully carry out experiments in the areaof physical optics, Geometrical optics by using optical instruments for understanding the properties of light.

PSO.6 Apply the knowledge of mathematical & statistical physics,for solving complex problems.

PSO.7 Students will be able to use laboratory devices, circuits& methods for analysis & interpretation of data & the information to provide conclusions.

PSO.8 Student will exhibit curiosity for learning nuclear models particle accelerators & detectors for evaluation of safety, harmful, peaceful & social issues.

## **Program Specific Outcomes: Chemistry:**

Students having this course at the time of graduation will be able to...

PSO-1 To understand basic concepts of Organic, Inorganic and Physical Chemistry during the undergraduate degree.

PSO-2 After completion of the organic chemistry during graduation, chemistry students are able to recognize and apply the principles of atomic and molecular structure to predict chemical properties and chemical reactivity.

PSO-3 To provide an environment that addresses the individual needs of each student and encourages them to develop their potential in chemistry.

PSO-4 After completion of a degree, chemistry students are able to employ critical thinking and scientific inquiry in the performance, design, interpretation and documentation of laboratory experiments, at a level suitable to succeed at an entry-level position in chemical industry or a chemistry graduate program.

PSO-5 After completion of a chemistry undergraduate degree, chemistry students are able to interpret and analyze quantitative data.

PSO-6 After completion of spectroscopic study, students are able to determine the structure of various organic molecules from molecular formula and spectral data.

PSO-7 After completion of a B.Sc. degree in Chemistry, students are able to understand theoretical concepts of instruments that are commonly used in most chemistry fields as well as interpret and use data generated in instrumental chemical analyses.

## **P.S.O. OF BOTANY**

Students having this course at the time of graduation will be able to...

PSO 1:- Student should acquire skill to identify and classify the different plant i.e. student should have the detail knowledge of taxonomy of plant

PSO 2:- Student should know the all medicinal plants, their habits & uses.

PSO 3:- Student should know the all wild varieties of plants from nearby forest.

PSO 4 :- Student should know the technique for isolation & culture of algae, fungi, bacteria from soil & infected plant tissue.

PSO 5:- Be familiar with the technique of isolation of biofertilizer from wild plants & algae.

PSO 6:- Student should understand the nature & basic concept of cell biology in order to study different plant cell events.

PSO 7:- Student should able to analyse the karyotype of different useful plants.

PSO 8:- Be familiar with plant genomic DNA isolation, RNA isolation & its quantitation by spectrophotometric method.

PSO 9:- Students should be perfect in different laboratory techniques like-microscopy, centrifugation, gel electrophoresis chromatography.

## **Program Specific Outcomes Dept of Zoology**

Students having this course at the time of graduation will be able to...

PSO 1. Understand the nature and basic concepts of cell biology, Biochemistry, Taxonomy and Ecology. PSO 2. Analyse the relationships among animals, plants and microbes.

PSO 3. Perform procedure as per laboratory standards in the areas of Biochemistry, Taxonomy, .

PSO 4. Understand the application of biological science in Apiculture, Aquaculture, Agriculture and Medicine

PSO 5. Understand the knowledge of animal kingdom.

PSO 6. Understand the protection of wild animals.

PSO 7. Understand the which food is rich vitamin.

PSO 8. Understand the knowledge of drinking water.

PSO 9. Understand the knowledge of hybridization in animals.